अमर उजाला

• आगरा • बरेली • मेरठ • मुरादाबाद • कानपुर • देहरादून • इलाहाबाद • झांसी • चंडीगढ़ • वाराणसी • जालंधर • नई दिल्ली • नैनीताल • जम्मू • धर्मशाला • अलीगढ़ • गोरखपुर • लखनऊ

अमर उजाला | नई दिल्ली, शनिवार, 16 मई, 2009

इंटरनेट की मुश्किल सुरक्षा होगी आसान

25 दिवसीय आईएमटी में कार्यक्रम शुरू

हैकिंग के एथिक्स सहित कई टॉपिक्स पर होगा मंथन

सैकड़ों आईटी विशेषज्ञ बताएंगे बारीकियां

वॉयरस अटैक और बफर ओवरफ्लो की समस्या से भी मुक्ति के सुझाव

• अमर उजाला ब्यूरो

गाजियाबाद। आपका इमेल अकाउंट.. नेट बैंकिंग अकाउंट और इंटरनेट की मदद से कोई भी सुविधा आप ले रहे हैं तो यह खतरे से खाली नहीं है। कोई भी हैकर थोड़ी सी मेहनत कर आसानी से आपको मानसिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित 25 दिन के आईटी महाकुंभ में यह सब कुछ देखने और सुनने को मिल रहा है।

आईएमटी गाजियाबाद की ओर से आयोजित मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम 'नेटवर्क मैनेजमेंट एंड एथिकल हैकिंग' में प्रतिभाग करने के लिए देशभर से सैकड़ों आईटी विशेषज्ञ परिसर में जमा हुए और हैकिंग के विभिन्न आयामों से स्टूडेंट्स को परिचय कराया। इस दौरान इन टेक्नोसेवी युवाओं ने यह भी दिखाया कि कैसे पासवर्ड क्रैक किया जाता और कैसे हैकर नेट बैंकिंग अकाउंट पासवर्ड तोड़कर लोगों को लाखों रुपये का चूना लगा देते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि आजकल साइबर क्राइम में गुणात्मक वृद्धि दर्ज की जा रही है। ऐसे में आईटी इंजीनियर्स को ऐसे साफ्टवेयर बनाने होंगे जो साइबर अपराधियों से लोगों को सुरक्षा प्रदान कर सकें। आयोजन टीम में शामिल स्वप्न पुरकैत ने बताया कि इन 25 दिनों के दौरान विशेषज्ञ ऐसा वातावरण बनाएंगे जिसमें स्कैन, टेस्ट, हैक और स्टिम की सिक्योरिटी के बारे में लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा छात्रों को पॉलिसी क्रिएशन, सोशल इंजीनियरिंग, डीडॉस अटैक एंड बफर ओवर फ्लो शामिल हैं। प्रोग्राम की डायरेक्टर पूनम गर्ग ने बताया कि इन 25 दिनों में छात्रों को हैकिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी, ताकि वे इससे बचाव के तरीके इजाद कर सकें। इस दौरान प्रो. बीडी सिंह, सहित विभिन्न शहरों से आए 125 से ज्यादा छात्र मौजूद थे।

आयोजन : आईएमटी इंस्टीट्यूट में 'नेटवर्क मैनेजमेंट एंड एथिकल हैकिंग' कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को जानकारी देते विशेषज्ञ।